।।जय गुरु नाना ।। ।।जय महावीर ।। ।।जय गुरु राम ।।

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

(अंतर्गत - श्री अ.भा.सा. जैन संघ)

राम चमकते भानु समाना

आमंत्रण – पत्र

बैठक क्रमांक : 2/वर्ष 2023-25 **दिनांक : 12 जुलाई 2025**

विशेष आम सभा

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति की सत्र 2023–25 की वार्षिक आम सभा श्री अ.भा. सा. जैन महिला समिति की गौरवशाली राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा जी मेहता की अध्यक्षता में 12 जुलाई 2025, शनिवार दोपहर 02:15 से देशनोक (बीकानेर–मारवाड़) में आयोजित होनी प्रस्तावित है। महिला समिति के समस्त शीर्षपदाधिकारी, पूर्व रा. अध्यक्षा–महामंत्री, सभी अंचलों के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष/मंत्री, प्रवृत्ति संयोजिकाएं, कार्यसमिति सदस्याएं, संभाग–प्रमुखा, विशेष आमंत्रित सदस्याएं, संरक्षक सदस्याएं, विशेष सदस्याएं, साधारण–आजीवन सदस्याएं सादर आमंत्रित हैं। **आप सभी से निवेदन है कि सभी केसरिया गणवेश में पधारें।**

:: कार्यसूची ::

1. मंगलाचरण एवं संकल्पसूत्र वाचन।
2. विगत वार्षिक आम सभा (दिनांक 03 अक्टूबर 2024, भीलवाड़ा में आयोजित) के कार्यवृत्त की स्वीकृति एवं अनुमोदना।
3. अध्यक्षा की अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा।
4. सत्र 2025–27 के लिए राष्ट्रीय अध्यक्षा का मनोनयन।
5. राष्ट्रीय अध्यक्षा उद्‌बोधन।
6. नवीन राष्ट्रीय अध्यक्षा उद्‌बोधन।
7. चारित्रात्माओं के देवलोकगमन पर 4–4 लोगस्स का ध्यान।
8. संघ समर्पणा गीत के साथ समापन।

कृपया अवश्य पधारें।

::: विनीत :::

राष्ट्रीय महामंत्री

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

बैठक स्थल : - देशनोक (बीकानेर-मारवाड़ अंचल)

विशेष : बैठक में प्रतिभागिता के सुअवसर के अलावा आपको अत्र विराजित शास्त्रज्ञ, तरूणतपस्वी, प्रशांतमना, नानेश पट्‌टधर पूज्य आचार्य–प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा. व बहुश्रुत वाचनाचार्य उपाध्याय प्रवर श्री राजेश मुनि जी म.सा. व आज्ञानुवर्ती संत/सतिया जी म.सा. आदि ठाणा के दर्शन, वंदन, प्रवचन का लाभ सहज ही प्राप्त होगा।

।। जय गुरु नाना ।। ।। जय महावीर ।। ।। जय गुरु राम ।।

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

(अंतर्गत - श्री अ.भा.सा. जैन संघ)

बैठक क्रमांक : 1/वर्ष 2023-25

विगत वार्षिक आम सभा

दिनांक : 03 अक्टूबर 2024

कालावधि	:	2023-25	**बैठक क्रमांक**	:	1
दिनांक	:	03 अक्टूबर 2024	**समय**	:	सायं 08:15 बजे से
प्रतिभागी सदस्य	:	180 (लगभग)	**सुगमकर्ता**	:	राष्ट्रीय महामंत्री
बैठक स्थल	:	सोना रिसोर्ट, भीलवाड़ा (राज.)			

वार्षिक आमसभा कार्यवृत्त के मुख्य बिन्दु

वार्षिक आमसभा बैठक की शुरुआत तरुण तपस्वी, प्रशांतमना, उत्क्रांति प्रणेता आचार्य श्री रामलालजी म.सा., बहुश्रुत वाचानाचार्य उपाध्याय प्रवर श्री राजेशमुनि जी म.सा. एवं सभी चारित्र आत्माओं के चरणों में वंदन करते हुए मंगलाचरण से की गई। मीटिंग संचालन राष्ट्रीय महामंत्री जी द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्षा द्वारा सदन को साधुमार्गी संकल्प सूत्र वाचन करवाया गया।

राष्ट्रीय महामंत्री जी ने सभा को संबोधित करते हुए सदन से विगत आमसभा मीटिंग की रिपोर्ट की स्वीकृति प्राप्त की गई।

राष्ट्रीय महामंत्री जी द्वारा भीलवाड़ा संघ से पधारे हुए सभी सदस्यों का अभिनंदन किया गया।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्षा जी द्वारा 1 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 तक महिला समिति के आय–व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्षा जी द्वारा सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आचार्य प्रवर ने 4 सितम्बर के प्रवचन में फरमाया की सम्पूर्ण संघ में 26 आगम का स्वाध्याय प्रतिदिन होना चाहिए। इसका भव्य शुभारंभ कार्तिक शुक्ला पंचमी (6 नवम्बर) को किया जाना संभावित है। ''**सज्झायम्मि रओ सया**'' अर्थात् स्वाध्याय में सदा रत रहे यह संघ। स्वाध्याय में लीन रहते हुए, अपने कर्मों की निर्जरा कर यह संघ उस पद का अनुगामी बने, जहाँ मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसे 4 जोन में विभाजित किया गया है कृ जोन 1 में मेवाड़ अंचल, जयपुर–ब्यावर अंचल तथा दिल्ली–पंजाब–हरियाणा अंचल शामिल हैं। 2nd Zone – बीकानेर–मारवाड़ अंचल, बिहार–बंगाल अंचल और पूर्वोत्तर अंचल। 3rd zone – मालवा अंचल,

मुंबई–गुजरात अंचल और महाराष्ट्र–विदर्भ–खानदेश अंचल।, 4th zone – छ.गढ़–ओड़िसा अंचल, कर्नाटक–आन्ध्रा–तेलंगाना अंचल और तमिलनाडू अंचल। इसमें सकल जैन समाज को जोड़ा जाएगा एवं सम्पूर्ण देश में धर्म का परचम लहराया जाएगा।

आगामी शिविरों में अधिक से अधिक बच्चों को रजिस्टर करवाने की प्रभावना की गई। आचार्य भगवन् 25वाँ पदारोहण दिवस 20 अक्टूबर को आयंबिल दिवस के रूप में मनाया जाएगा। जिसे सम्पूर्ण संघ में 5000 आयंबिल करवाने का लक्ष्य रखा गया है।

भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण दिवस पर 2100 तेले का आहवान किया। फरवरी 2024 तक अपने सभी पारिवारिक कार्यक्रमों को स्थगित करके महत्तम शिखर वर्ष में लीन होने की अपील की।

पूर्व अध्यक्षाओं द्वारा सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया की आप जब भी गुरु भगवन् के सामने जाए तब अपने सिर पर पल्लू जरूर लगाएं। श्री लाल उच्च शिक्षा के लिए उपाध्यक्षा/मंत्री से यह अनुरोध किया की यह योजना साधुमार्गी परिवार के लिए हैं और इसकी अधिक से अधिक प्रभावना करने का आग्रह किया।

निवर्तमान महामंत्री द्वारा सभा को संबोधित करते हुए बताया कि जैन धर्म में महिलाओं की क्या भूमिका और क्या गरिमा रही हुई है ? – "प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के काल में जो अक्षर ज्ञान है, उस लिपी को ब्राह्मी लिपी के नाम से नवाजा गया, जो की एक महिला थी। तत्पश्चात् 16 सतियों की गाथा को बताया। इसी प्रकार महिलाओं की समय–समय पर क्या भूमिका रही, इससे सभा को अवगत करवाया। आज हमारी क्या भूमिका है ?, हम क्या कर सकते है ? फिर से महिलाओं को एक मिशाल बनने के लिए गुरु कृपा से हमें एक और अवसर मिला है कि 09 फरवरी तक आने वाले सभी दिनों को स्वर्णिम दिनों में बदलने का आहवान् किया।

श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति के अंतर्गत संचालित प्रवृत्तियाँ

<u>संगठन</u>

हो Communication हमारा-तुम्हारा

तो Connection बढ़े हमारा।।

जिस प्रकार अक्षर से अक्षर मिला शब्द और शब्दों से वाक्य व वाक्यों से वक्तव्य इसी प्रकार संघ संगठन को मजबूत करने का एक प्रयास हमारा भी रहे।

स्थानीय अध्यक्ष/मंत्री एवं संगठन संयोजिकाओं से निवेदन है कि अपने–अपने क्षेत्र में हर 3 कि.मी की दूरी में हर सप्ताहिक/पाक्षिक मंडल लगवाये जाए अगर गांव या शहर 7 कि.मी. से अधिक है तो। उसमें स्थानीय स्तर पर सभी श्राविकाओं को आने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

संगठन का मूल उद्देश्य –

अ) आजीवन सदस्य बनाना। (श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति की सदस्यता)

ब) स्थानीय स्तर पर मंडल लगवाना। (दैनिक, साप्ताहिक एवं पाक्षिक)

स) नव वधुओं का स्वागत।

द) जिस स्थानीय स्तर पर मंडल का गठन नहीं है उस स्थान पर मंडल का गठन करना एवं जहां 10 सदस्याओं से कम हो वहां प्रतिनिधि का चयन करना।

<u>संगठन से संबंधित नियमावली :</u>

1. मंडल की शुरुआत एक नवकार मंत्र से करना।
2. मंडल में Talent वाइज स्वाध्याय, थोकड़ा, भजन, प्रश्नोत्तरी, वक्तव्य कला एवं लेखन आदि की प्रतियोगिताओं के माध्यम से संचालन किया जाए।
3. संघ की रीति–नीति, नियम एवं धारणाओं की जानकारी।
4. वंदना के पश्चात् दो लाईन संघ समर्पणा गीत।
5. मंगल पाठ एवं एक छोटा–सा प्रत्याख्यान।
6. शुद्ध सामायिक (बिना लाईट और बिना सैल की घड़ी के) या संवर (दोनों में से एक जरूरी)।
7. चारित्र आत्माएं विराजित हो उनके सानिध्य में मंडल लगे।
8. धोवन पानी की पूरजोर प्रभावना की जाए।

विशेष आग्रह

9. श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति के केसरिया गणवेश में एकरूपता हमारी प्राथमिकता हो।
10. स्थानीय मंडल की चयन प्रक्रिया का आमसभा में होना अनिवार्य है एवं आमसभा की रिपोर्ट अध्यक्ष/मंत्री के नाम सहित केन्द्रीय कार्यालय, बीकानेर में भेजना अनिवार्य है।
11. संगठन की सभी संयोजिकाओं से निवेदन है कि एक से अधिक मंडल लगते हैं तो स्थानीय स्तर पर अपनी टीम बना लेवें।
12. स्थानक की सार संभाल –
    a. स्थानक में किसी प्रकार का (श्रावक/श्राविका) चित्र नहीं होना चाहिए।
    b. स्थानक में जीवों की रक्षा/सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए (जाले नहीं होना)।
    c. स्थानक में रखी गई पुस्तकों का समय–समय पर प्रतिलेखन होना आवश्यक है।
    d. स्थानक में नियमित रूप से सामूहिक धर्म आराधना का लक्ष्य रखना।

पाठ्यक्रम-

स्थानीय क्षेत्र अपनी-अपनी अनुकूलता के अनुसार अखिल भारतवर्षीय स्तर पर संचालित आयामों के अनुसार अपने-अपने अध्ययन का लक्ष्य रखे।

केसरिया कार्यशाला –

श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति का एक सुदृढ़ प्रयास...

केसरिया कार्यशाला जिसका ध्येय है...

एक आलौकिक संघ। एक अनोखा गणवेश। एक अनूठा कार्य। हर मंडल में। हर जगह...

आगम की अमृत वाणी को कार्य के माध्यम से सरलता से हर मंडल को एक सूत्र में बांध रहा है। 6 वर्ष में अभी प्रयास जारी है हर बार नये क्षेत्रों को धर्म से और संघ से जोड़ने का।

- वर्तमान में **'समयं गोयम मा पमायए'** गतिविधि चल रही है।

युवती शक्ति – श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति के अंतर्गत हमारे संघ की 12 वर्ष से अधिक अविवाहित युवतियों के लिए युवती शक्ति एक मंच स्थापित किया गया है। इस मंच का उद्देश्य है हमारे संघ की प्रतिभाओं को निखारना, उनकी सोच को उनके विचारों को संघ में लाना, उनमें धार्मिक संस्कारों का सिंचन करना, उनको संघ से जोड़ना, जिससे संघ में एक अदभुत शक्ति को हम जोड़ सकेंगे।

A) Discover the Incredible you – (18 Years above)

B) Discover the Incredible you – 2 (12-17 Years)

C) **गठबंधन**

मोटिवेशनल फोरम – एक प्रोफेशनल व्यक्ति हर कार्य में निपुण हो सकता है और कामयाबी के किसी भी शिखर को छू सकता है, पर जब तक उसमें गुरु के प्रति श्रद्धा और अध्यात्मिकता का विकास नहीं, उसका जीवन अपूर्ण है। इस फोरम से जुड़ी हुई महिलाओं के अध्यात्मिक ऊर्जा का संचार कर, उनके व्यक्तित्व की पूर्णता में सहयोग करना ही इस फोरम का मुख्य उद्धेश्य है।

वुमन मोटिवेशनल फोरम प्रवृति का मूल उद्देश्य है– साधुमार्गी परिवार की महिला प्रोफेशनल का एक मंच तैयार करना। साधुमार्गी परिवार की महिलाएँ जो सी.ए, एम.बी.ए., डॉक्टर, इंजिनियर, वकील, आई.ए.एस., पोस्ट ग्रेजुएट आदि डिग्री के स्तर पर शिक्षित है, भले वर्तमान में वे इन डिग्री का उपयोग नहीं कर पा रहे हों, वे सभी इसी श्रेणी में मान्य होंगे।

A) 12 भावना पर आधारित (मेवाड़ अंचल) के लिए ऑफलाइन गतिविधि संभावित।

B) **भ्रूणहत्या त्याग संकल्प-पत्र -** भ्रूणहत्या त्याग संकल्प–पत्र सभी के द्वारा भरना/भरवाना।

पंचसहस्त्री श्रद्धाभिषिक्त परिवारांजलि – पंचसहस्त्री श्रद्धाभिषिक्त परिवारांजलि ग्रहण किए नियमों का दृढ़तापूर्वक पालन करवाने का लक्ष्य रखना एवं नए श्रावक–श्राविकाओं को जोड़ने के लिए अधिक से अधिक प्रभावना करना। स्टीकर्स पेस्टिंग के लिए प्रेरित करना।

सर्वधर्मी सहयोग – "खुद जीएं सबको जीना सीखाएं–अपनी खुशियाँ चलो बांट आएं" इस मूलमंत्र को आत्मसात् करते हुए श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन महिला समिति के तत्वाधान में कई वर्षों से सर्वधर्मी सहयोग की यह प्रवृत्ति निरनतर गतिशील है।

समता छात्रवृत्ति – हमारे समाज के वे अभावग्रस्त छात्र–छात्राएं जो धन के अभाव में शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाते हैं उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को संघ की ओर से महिला समिति के तत्त्वाधान में कक्षा 1 से लेकर 12 तक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

अन्य :

- **सज्झायम्मि रओ सया (सदा स्वाध्याय में रत रहो) :**

  आचार्य भगवन् एवं उपाध्याय प्रवर ने सकल जैन समाज को 32 आगमों में से श्रावकों के वाचन योग्य 26 आगमों का प्रतिदिन (आजीवन) स्वाध्याय करने की प्रेरणा दी है।

  महापुरुषों की इस दिव्य वाणी को आत्मसात करते हुए "सज्झायम्मि रओ सया" इस अद्भुत प्रकल्प को शीघ्रातिशीघ्र सकल जैन समाज के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

  आज ही इस पावन प्रकल्प से जुड़ने के लिए नीचे दिए गए गुगल फोर्म के माध्यम से स्वयं, अपने परिवार के सदस्यों एवं अन्य श्रावक–श्राविकाओं का रजिस्ट्रेशन करें और जिनशासन एवं अपनी आत्मा के लिए अनुपम योगदान देने का यह स्वर्णिम अवसर न गंवाएं।

  नोट : इस आयाम में सहभागी बनें और 26 आगमों के स्वाध्याय की इस महत्वपूर्ण कड़ी के माध्यम से कर्म निर्झरा करें। यदि आपकी सुविधा हो, तो आप 100 से अधिक गाथाओं का स्वाध्याय भी कर सकते हैं।

Register now : https://forms.gle/1ffmcWNnKHTAApVL6

- **Golden Steps for Garbh Sanskaar** – एक विशेष कार्यक्रम है जिसमें गर्भवती महिलाओं, नवविवाहित जोड़ों व भविष्य की माताओं को मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त करने के लिए मार्गदर्शन दिया जाता है।

  इसके अंतर्गत ऑनलाइन सत्र एक माह छोड़कर अगले माह आयोजित किए जाते हैं। रजिस्ट्रेशन अभी भी चालू है। यदि कोई इसमें भाग लेना चाहता है तो नीचे दिए गए लिंक से अपना पंजीकरण कर सकता है।

  लिंक – ***https://forms.gle/AhfcsJkJq6WKoGpP9***

- **प्रतिक्रमण** - अशुभ योग को त्यागकर पुनः शुभ योग में जाना प्रतिक्रमण है। प्रतिक्रमण साधक के लिए निर्जरा का प्रबल कारक है। मोक्षगामी की राह पर चलने की पहली सीढ़ी प्रतिक्रमण है। **अतः सभी को प्रतिक्रमण कंठस्थ करना/करवाना। ऐसा ध्येय है कि संपूर्ण महिला समिति प्रतिक्रमण युक्त हो।**

  नोट - रजिस्ट्रेशन जारी है, आप नीचे दिए गए लिंक के माध्यम से अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।

  लिंक – ***https://forms.gle/zpmPQAPDP7PmPJne8***

- **धार्मिक शिक्षण शिविर** – मिटिंग के दौरान स्थानीय स्तर अधिक से अधिक शिविर लगाने की प्रेरणा करना।
- **महिला स्वाध्यायी** – स्वाध्यायी सेवा देने के लिए अधिक से अधिक बहनों को प्रेरित करना।
- **धार्मिक परीक्षा** – अंचल के क्षेत्रों में अधिक से अधिक बहनों को धार्मिक परीक्षाओं में भाग लेने के लिए प्रेरित करना। जैन संस्कार पाठ्यक्रम, कर्म प्रज्ञप्ति, महत्तम महोत्सव के अंतर्गत आयोजित परीक्षाओं से स्वयं को जोड़ना और सभी को जोड़ने का लक्ष्य रखना।
- **श्रमणोपासक** – स्थानीय गतिविधियों की रिपोर्ट श्रमणोपासक में देने के लिए समय पर रिपोर्टिंग की प्रेरणा करना।
- **रिपोर्टिंग सिस्टम** – स्थानीय, आंचलिक एवं राष्ट्रीय प्रवृत्ति संयोजिकाओं द्वारा अपने–अपने स्थानीय, आंचलिक, राष्ट्रीय स्तर पर हुए कार्य का गतिविधि के आधार पर विवरण गूगल फॉर्म द्वारा देने की प्रेरणा देना।
- **उच्च शिक्षा योजना** – आचार्य श्री श्रीलाल जी म.सा. उच्च शिक्षा योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक छात्र–छात्राओं को उच्च शिक्षा योजना से लाभान्वित होने के लिए श्री संघ द्वारा ब्याज मुक्त ऋण प्रदान किया जाता है।

|| जय महावीर ||

|| जय गुरु नाना || || जय गुरु राम ||

राम चमकते भानु समाना

महत्तम महोत्सव

आचार्य श्री रामेश सुवर्ण दीक्षा महामहोत्सव

अंतर्गत श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

महत्तम शिखर वर्ष

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

(अंतर्गत - श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ)

महिला समिति

के अंतर्गत

प्रवृत्तियों की

संक्षिप्त जानकारी

प्रवृत्तियाँ

संगठन

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति के अंतर्गत संगठन प्रवृत्ति निरंतर गतिमान है। जिसका उद्देश्य देश–विदेश के समस्त साधुमार्गी महिलाओं को संघ सदस्यता से जोड़ना है। यदि क्षेत्र 7 कि.मी. से अधिक दूर है तो स्थानीय स्तर पर प्रत्येक 3 कि.मी. की दूरी पर मंडल लगाना।

उसमें स्थानीय स्तर पर सभी श्राविकाओं को आने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

अ) आजीवन सदस्य बनाना (श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति की सदस्यता)।

ब) स्थानीय स्तर पर मंडल लगवाना। (दैनिक, साप्ताहिक एवं पाक्षिक)

स) नव वधुओं का स्वागत।

द) जिस स्थानीय स्तर पर मंडल का गठन नहीं है उस स्थान पर मंडल का गठन करना एवं जहां 10 सदस्याओं से कम हो वहां प्रतिनिधि का चयन करना।

केसरिया कार्यशाला

श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति का एक सुदृढ़ प्रयास... केसरिया कार्यशाला जिसका ध्येय है... आगम की अमृत वाणी को रोचक गतिविधि के माध्यम से हर मंडल को एक सूत्र में बांधना।

पिछले 6 वर्षों से नए–नए क्षेत्रों को धर्म एवं संघ से जोड़ने का एवं प्रत्येक श्रावक – श्राविका के आध्यात्मिक विकास में सहयोगी बनने का प्रयास जारी है।

युवती शक्ति

हमारे संघ की 12 वर्ष से ऊपर अविवाहित युवतियों के लिए युवती शक्ति नामक मंच स्थापित किया गया है। इस मंच का उद्देश्य है– हमारे संघ की प्रतिभाओं को निखारना, उनकी सोच को उनके विचारों को संघ में लाना, उनमें धार्मिक संस्कारों का सींचन करना, उनको संघ से जोड़ना, जिससे संघ में एक अद्भुत शक्ति को हम जोड़ सकेंगे।

Discover the Incredible You (स्वयं की खोज) (Part - 1st – आयु सीमा – 18 वर्ष से अधिक, Part - 2nd – 12 से 17 वर्ष) – यह कोर्स 3 लेवल में विभाजित है जिसका उद्देश्य भीतर छिपी Strength, Awareness को पहचानते हुए आगे बढ़ना है।

गठबंधन...– इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवतियाँ जिनकी सगाई हो चुकी है अथवा जो इस पड़ाव पर है उनके लिए Communication Trust, Anger and Patience जैसे विषयों को बहुत ही रोचक तरीके से एवं कहानियों के माध्यम से समझाया जाता है।

वूमन्स मोटिवेशनल फोरम

साधुमार्गी परिवार की युवती एवं महिला जो पोस्ट ग्रेजुएट एवं प्रोफेशनल डिग्री के स्तर पर शिक्षित हैं उनके लिए मंच स्थापित किया गया है। इस फोरम का मूल उद्देश्य साधुमार्गी परिवार की प्रोफेशनल्स में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार कर उनके व्यक्तित्व की पूर्णता में सहयोग करना है।

पंचसहस्त्री श्रद्धाभिषिक्त परिवारांजलि

स्टीकर्स के माध्यम से ग्रहण किए नियमों का दृढ़तापूर्वक पालन करवाने का लक्ष्य रखना एवं नए श्रावक–श्राविकाओं को जोड़ने के लिए अधिक से अधिक प्रभावना करना।

सर्वधर्मी सहयोग

खुद जीएं सबको जीना सीखाएं–अपनी खुशियाँ चलो बांट आएं' इस मूलमंत्र को आत्मसात् करते हुए श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन महिला समिति के तत्वाधान में कई वर्षों से सर्वधर्मी सहयोग की यह प्रवृत्ति निरंतर गतिशील है। जिसके अंतर्गत जरुरतमंद साधुमार्गी परिवारों को सहायता राशि प्रदान करना।

ऑनलाइन फॉर्म भरने के लिए स्केन करें।

समता छात्रवृत्ति

हमारे संघ के वे अभावग्रस्त छात्र–छात्राएं जो धन के अभाव में शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाते उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को संघ की ओर से महिला समिति के तत्वाधान में कक्षा 1–12 तक के बच्चों को छात्रवृति प्रदान की जाती है।

कक्षा – 01 से 12

अन्य

सज्झायम्मि रओ सया (सदा स्वाध्याय में रत रहो)

1) प्रतिदिन 26 आगम का स्वाध्याय संपूर्ण संघ में हो।
2) प्रत्येक श्रावक–श्राविका प्रतिदिन लगभग 100 या अधिक गाथाओं का स्वाध्याय करें।
3) प्रत्येक श्रावक–श्राविका को उनके द्वारा किए जाने वाले स्वाध्याय की पुस्तिका भेजी जाएगी।
4) अस्वाध्याय के 32 कारणों को टालकर स्वाध्याय करें।
5) इन गाथाओं की वांचनी चारित्रात्माओं से लेने का लक्ष्य रखें। जिन क्षेत्रों में ऐसा संभव नहीं हो वहां वरिष्ठ श्रावक–श्राविकाओं से ले सकते हैं।

फॉर्म भरने के लिए स्केन करें।

श्रमणोपासक में स्थानीय रिपोर्टिंग

स्थानीय स्तर पर महिला मण्डल के अंतर्गत निष्पादित किए गए धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक कार्यों की रिपोर्ट श्रमणोपासक में देने एवं श्रमणोपासक पढ़ने हेतु प्रेरणा करना।

भ्रूणहत्या त्याग संकल्प पत्र

भगवान महावीर का अमूल्य संदेश 'जीओ और जीने दो' को आत्मसात् करते हुए 'एक कोशिश–एक प्रयास, भ्रूणहत्या त्याग का संकल्प करें।

फॉर्म भरने के लिए स्केन करें।

प्रतिक्रमण प्रतियोगिता

प्रतिक्रमण – सभी श्रावक–श्राविकाओं को प्रतिक्रमण कंठस्थ करना / करवाने की प्रेरणा देना।

1. इसमें रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
2. यह प्रतियोगिता सभी आयु वर्ग के बच्चे, श्रावक व श्राविकाओं के लिए हैं।
3. प्रतिक्रमण नया व संशोधित कंठस्थ करें। यदि जिनको विधि सहित याद है (नया, पुराना) तो इसमें रजिस्ट्रेशन न करें।

फॉर्म भरने के लिए स्केन करें।

रिपोर्टिंग सिस्टम

महिला समिति के अंतर्गत संचालित प्रवृतियों (संगठन, युवती शक्ति, मोटिवेशनल फोरम, परिवारांजलि, केसरिया कार्यशाला) के कार्यों का अवलोकन स्थानीय, आंचलिक एवं राष्ट्रीय संयोजिकाओं द्वारा गूगल फॉर्म के माध्यम से देना। (यदि कोई स्थानीय संयोजिका सम्बन्धित प्रवृत्ति के रिपोर्टिंग ग्रुप से जुड़ी हुई नहीं है तो अपनी आंचलिक संयोजिका से संपर्क करके जुड़ने का लक्ष्य रखें।)।

गोल्डन स्टेप्स (गर्भ संस्कार)

सुसंस्कृत एवं संस्कारवान घर, परिवार, समाज के निर्माण हेतु गोल्डन स्टेप्स वर्कशॉप का आयोजन किया जाता है जिसमें भावी माताओं को उचित दिशा बोध दिया जाता है। इस वर्कशॉप ऑनलाइन प्रकार से सम्पादित किये जाते हैं।

धार्मिक शिक्षण शिविर

स्थानीय स्तर पर अधिक से अधिक धार्मिक शिविर लगाने की प्रेरणा करना।

समता सेवा सोसायटी

रतलाम (म.प्र.) में आर्थिक आत्मनिर्भरता संसार में सभी सुखों की कुंजी है। महिला समिति द्वारा आर्थिक रुप से कमजोर परिवारों को स्वावलंबी बनाने के लिए गृहउद्योग योजना चलाई जा रही है।

पाठशाला हेतु प्रेरणा करना।

स्वाध्याय सेवा देने के लिए प्रेरणा करना।

श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति के केसरिया गणवेश में एकरूपता हमारी प्राथमिकता हो। यह गणवेश हमारे संघ के सभी धार्मिक, सामाजिक एवं सामुहिक रूप से आयोजित समारोह में आवश्यक रूप से पहनें।

श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति

☎ Helpline Number - 63756 33109